ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक: 05.01.2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-01-05 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसमकारक	06/01/2024	07/01/2024	08/01/2024	09/01/2024	10/01/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	5.0
अधिकतम तापमान(से.)	20.0	20.0	21.0	21.0	20.0
न्यूनतम तापमान(से.)	8.0	8.0	9.0	9.0	9.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	45	45
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	1	1	1	2	2
पवन दिशा (डिग्री)	50	140	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	6

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (29 दिसंबर से 4 जनवरी) में 0 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 14.0-20.0 और 5.3-10.8oC के बीच रहा। अधिकांश दिन छेत्र में कोहरा देखा गया। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 88-100% और 56-88% के बीच रही। मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम और पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति 0.9-1.9 किमी प्रति घंटे के बीच रही। आगामी 5 दिनों का पूर्वानुमान 9 जनवरी, 2024 को 5 मिमी की हल्की वर्षा दर्शाता है और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 20.0-21.0oC और 8-9oC के बीच रहने की आशंका है। अधिकांश दिनों में शुष्क मौसम रहने की संभावना है। हवा की गति उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और उत्तर-पश्चिम दिशा से 1-2 किमी प्रति घंटे के बीच रहने की उम्मीद है। उधम सिंह नगर जिले में कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाने की संभावना को लेकर 5 जनवरी के लिए ऑरेंज अलर्ट और 6 जनवरी के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। क्षेत्र के लिए 9 जनवरी को हल्की बारिश के साथ बाकि दिन शुष्क मौसम की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए खेती के कार्य तदनुसार किये जाने चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट “मेघदूत ऐप” पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए “दामिनी ऐप” भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (iOS यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। NDVI कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम से अच्छी कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 05-11 जनवरी तक बड़ी कमी वाली वर्षा की प्रवृत्ति को इंगित करती है और अधिकतम और न्यूनतम तापमान में सामान्य से ऊपर की भविष्यवाणी करती है। फसल को पाले से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए नए बागों में सिंचाई की जानी चाहिए। नए पौधों/अंकुरों को पाले से होने वाली हानि से बचाना चाहिए। ऐसे मौसम में रोग उत्पन्न होने की संभावनाएं होती है तो फसलों की नियमित निगरानी के साथ-साथ निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

9 जनवरी को हल्की वर्षा के साथ बाकि दिन शुष्क मौसम और 5 और 6 जनवरी को घने कोहरे की चेतावनी दी गयी है, इसलिए कृषि पद्धतियों को मौसम अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर	वानस्पतिक/ फूल आना	फूल आने और फली बनने के समय आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। मसूर में, एफिड अटैक के मामले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
राइ एवं तोरिया (लाही) / पीली सरसों	फूल आना/ फली बनना	माहु कीट को नियंत्रित करने के लिए, जब कीट आर्थिक सीमा स्तर (10-15 पौधों पर तने की ऊपरी शाखा में 26-28 माहु प्रति 10 सेमी ऊपरी शाखा) से ऊपर पाए जाने पर डाइमेथोएट 30 ईसी 500 मिली के दर से लगाएं या थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यूजी 100 ग्राम के दर से 600-700 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए। परिपक्व होने पर फसल की कटाई की जानी चाहिए और फूल/फली बनने की अवस्था में सिंचाई करनी चाहिए।
गेहू	वानस्पतिक	देर से बोई गई फसल में खरपतवार निकलने के लिए हाथ से निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए या अनुशंसित प्रथाओं के अनुसार रासायनिक अनुप्रयोग किया जाना चाहिए। चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए 2,4-D 500g या मेटसल्फ्यूरान मिथाइल 4g की दर से 30-35 या 35-40 दिन बाद छिड़कना चाहिए। संकीर्ण पत्ते वाले खरपतवारों के लिए आइसोप्रोट्यूरान 1kg/सल्फोसल्फ़्यूरान 25g/क्लोडीनाफोप 60g का 30-35 दिनों के अंतराल पर छिड़काव किया जा सकता है। आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए
जौ	वानस्पतिक	देर से बोई गई फसल की निगरानी की जानी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर निराई-गुड़ाई की जानी चाहिए। आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	पेड़ी एवं शरदकालीन गन्ने की निगरानी की जानी चाहिए और उचित कृषि कार्यों का पालन किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	रोपाई	प्याज की फसल की रोपाई जनवरी के पहले सप्ताह तक खाद वाले खेतों

		में पूरी कर ली जानी चाहिए।
सब्जीमटर	वानस्पतिक/ फूल आना	निराई-गुड़ाई के साथ-साथ तना मक्खी एवं पत्ती सुरंगक कीट के लिए अनुशंसित रासायनिक अनुप्रयोगों का पालन किया जाना चाहिए।
टमाटर/मिर्च	फूल/फल बनना	रोग फैलाने वाले कीटों के लिए फसलों की नियमित जांच की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं के साथ नियंत्रित किया जाना चाहिए।
आलू	वानस्पतिक	आलू में लेट ब्लाइट रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।
भैंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।